Literacy for a Billion

Movie: Haseena Maan Jaayegi 1969
Year: 1969

Song: Bekhudi Mein Sanam
Lyricist: Akhtar Romani

आ गए
आ गए पास हम
आ गए पास हम

बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम
बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम
आ गए ...
आ गए
आ गए पास हम
आ गए पास हम

ओ ...
बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम
आ गए ...
आ गए
आ गए पास हम
आ गए पास हम

बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम

आग ये कैसी
मन में लगी है
मन से बढ़ी तो
तन में लगी है
आग नहीं ये
दिल की लगी है
जितनी बुझाई
उतनी जली है
दिल की लगी
ना हो तो
क्या ज़िन्दगी है
साथ हम जो चलें
मिट गए फ़ासले

आ गए ...
आ गए
आ गए पास हम
आ गए पास हम

बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम

खोई नज़र थी
सोए नज़ारे
देखा तुम्हें तो
जागे ये सारे
दिल ने किए जो
दिल को इशारे
मिलके चले हम
साथ तुम्हारे
आज खुशी से
मेरा दिल ये पुकारे
तेरा दामन मिला
प्यार मेरा खिला

आ गए ...
आ गए
आ गए पास हम
आ गए पास हम

बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम

दिल की कहानी
पहुँची ज़ुबाँ तक
किसको ख़बर अब
पहुँचे कहाँ तक
प्यार के राही
आए यहाँ तक
जाएँगे दिल की
हद है जहाँ तक

तुम साथ दो तो
चलें हम आसमाँ तक
दिल में अरमाँ लिए
लाख तूफ़ाँ लिए

आ गए ...
आ गए
आ गए पास हम
आ गए पास हम

बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम
बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम
बेखुदी में सनम
उठ गए जो क़दम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.